

सु-विचार

"कल क्या होगा, कोई नहीं जानता

इसलिए आज प्रेम बाँटिए,

मुस्कुराइए और अपने लोगों के करीब रहिए...!!

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-255

संपादक आलोक तिवारी

दुर्ग, शनिवार 03 अक्टूबर 2026

पृष्ठ 08

मूल्य - 2 रुपए

यूपी राज्यसभा चुनाव में 10वीं सीट पर फंसा पेंच, क्रॉस वोटिंग का बढ़ा खतरा

बृजभूषण के नाम से सियासत में उबाल

आलोक तिवारी / लखनऊ

यूपी की 10 राज्यसभा सीटों के लिए चुनावी बिसात बिछ गई है। 7 सीटों पर BJP और 2 पर SP की जीत तय मानी जा रही है, लेकिन 10वीं सीट ने पूरे चुनाव को रोमांचक बना दिया है। यहाँ क्रॉस वोटिंग, बागियों और जोड़-तोड़ की पूरी संभावना है।

अंकगणित: 37 वोट का जादूई आँकड़ा
एक सीट जीतने के लिए 37 विधायकों की पहली वरीयता जरूरी है।

NDA - 293 विधायक: 7 सीट पर 259 वोट खर्च, 8वीं सीट के लिए 34 वोट बचे, जीत से सिर्फ 3 वोट दूर।
SP+ कांग्रेस - 103 विधायक: 5 बागी हटाए पेंच 98 वोट। 2 सीट पर 74 वोट खर्च, तीसरी सीट के लिए 24 वोट बचे, जीत के लिए 13 वोट और चाहिए। आँकड़ा 01 में BJP को बहुत, लेकिन खेल बागियों का।
पेंच कहाँ फंसा? 2027 की डेटिंग
सूत्रों के मुताबिक अखिलेश

यादव 10वीं सीट पर उम्मीदवार उतारकर 2027 से पहले अपने विधायकों की वफादारी परखना चाहते हैं। वहीं BJP के सहयोगी ओपी राजभर की SBSP और जयंत चौधरी की RLD के कुछ विधायकों के क्रॉस वोटिंग के कयास, क्योंकि कई RLD विधायक पहले सपा के सिंबल पर जीते थे।
बृजभूषण और ममता फेक्टर से गर्मी
राजनीतिक गलियारों में दो नामों की जबरदस्त चर्चा:



बृजभूषण शरण सिंह: पूर्व BJP सांसद, अवध-गोंडा बेल्ट में पकड़। चर्चा है क्या SP उन्हें उतारकर टाकुर + छिड़ड़ा समीकरण साधेगी? हालाँकि परिवार का BJP में होना और केस बड़ी अड़चन।
ममता बनर्जी काई: मुस्लिम

वोट को राष्ट्रीय संदेश देने के लिए ममता बनर्जी या किसी बड़े राष्ट्रीय चेहरे को लाने की रणनीति?
जानकारों का मानना है - कामगज पर BJP का पलड़ा भारी, लेकिन 10वीं सीट पर अगर SBSP/RLD के 3 वोट

इधर-उधर हुए और SP अपने बागियों को रोकने में कामयाब रही तो 2024 वाला राज्यसभा वाला खेल फिर दोहराया जा सकता है। बहरहाल आने वाले दिनों में और कई राजनीतिक समीकरण बनते और बिगड़ते दिखेंगे।

यूपी कांग्रेस की कमान मिली तो बोलीं आराधना मिश्रा 'मोना' - 2027 में गठबंधन के साथ बनाएंगे सरकार

नई दृष्टिबिंदु / लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर नियुक्ति के बाद आराधना मिश्रा मोना ने शीघ्र नेतृत्व का आभार जताते हुए 2027 के चुनाव में सरकार बनाने का दावा किया।
मोना ने कहा, "मैं हमारी सोनियावर लीडरशिप, मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड़ा का दिल से शुक्रिया



विश्मदारी को पूरी लगन, ईमानदारी और सच्चाई के साथ निभाऊंगी।
2027 के चुनाव में, कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत और पक्के इरादों के साथ लड़ेगी। अपने अलायंस पार्टनर्स के साथ मिलकर, हम 2027 में सरकार बनाएंगे। सियासी हलकों में मोना की नियुक्ति को ब्राह्मण वोट बैंक और महिला नेतृत्व को साधने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

दिल्ली में सीएम साय ने स्मृति ईरानी से की मुलाकात



छत्तीसगढ़ प्रभारी बनने पर दी बधाई, बस्तर के विकास पर विशेष मंथन
नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज दिल्ली प्रवास के दौरान भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव एवं छंदेरीय मंत्री स्मृति ईरानी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी का दायित्व मिलने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

इसल इजान और बस्तर पर फोकस
दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे की बैठक में छत्तीसगढ़ के विकास, इसल इजान की जल्द-यागकारी योजनाओं और सांठनालक मजबूती पर विस्तार से चर्चा हुई। विविध रूप से बस्तर में विकास की नई संभावनाओं और बस्तर से स्वच्छता को लेकर गुलन निवार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्मृति ईरानी का व्यापक राष्ट्रीय अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना छत्तीसगढ़ में संपन्न और अर्थ-सशक्त बनाएंगी और जनसेवा के संकेत को नई मजबूती देगी। बताया जा रहा है कि आने वाले नित्य और पंचायत चुनावों के महत्वाकांक्षी संगठनात्मक रणनीति पर भी चर्चा हुई।

नाखून में छिपा था कातिलों का राज रायपुर पुलिस की वैज्ञानिक विवेचना से 2 साल पुराने अंधे कत्ल का पदार्फाश



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कमिश्नरेंट की नाँव जोन पुलिस ने प्रोफेशनल और वैज्ञानिक पुलिसिंग की मिसाल पेश करते हुए लगभग 2 वर्ष पुराने अंधे हत्याकांड का खुलासा कर दिए। मुक्तिका के नाखूनों में फंसे आरोपियों के Biological Traces ही कातिलों के लिए काल बन गए।

21 अगस्त 2024 की वारदात
थाना खमतराई के ट्रांसपोर्ट नगर, 6 नंबर पार्किंग के पास रहने वाली लता साहू पति स्व. हेमचंद्र साहू (40) की उसके ही घर में गला घोटकर हत्या कर दी गई थी। घर से नगदी, साड़ी और पालास की भाँव गयी थी। पुलिस ने उस समय अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 14/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया था।

कैसे मिला सुगर? पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निदेश - गंभीर अपराधों में एक भी वैज्ञानिक साक्ष्य न छूटे, के तहत टीमें ने घटनास्थल पर मुक्तिका के दोनों हाथों के नाखूनों में अज्ञात व्यक्ति के Biological Traces पाए। इसे तुरंत FSL भेजकर सुखित कराया गया और DNA प्रोफाइल तैयार कराई गई। तब आरोपी अज्ञात थे, लेकिन प्रोफाइल को पुलिस ने 2 साल

तक सुरक्षित रखा।
अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुलाकाम काबिल के मार्गदर्शन, DCP क्राइम स्मृति राजपाल और DCP नाँव दीपमाला कश्यप की लगातार समीक्षा में ACP उरला पूर्णिमा लामे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी जिविन्ध जायसवाल और ACCU की टीम ने तकनीकी इनपुट और सॉल्यूशंस पर काम शुरू किया।
अगर नवरंग कश्यप की भूमिका अहम रही।
2026 में तीन सॉल्यूशंस - मनहरण सारंग (33) ग्रेमनगर खंभाभाटा, राजेश पाल उर्फ चोटी (31) मुंगेली, और राजू मंडल उर्फ बंगाली (35) रायभांटा के DNA सैंपल लिए गए। मिलान पर तीनों का DNA प्रोफाइल के नाखूनों से 100% मैच हो गया।
शराब के लिए हत्या
कड़ाई से पुछताछ में आरोपियों ने बताया - घटना वाले दिन तीनों लता साहू के घर बैककर शराब पी रहे थे। शराब खत्म होने पर और मानने लगे, विवाद बढ़ा और ड्रामाइट की हुई। राजू मंडल ने लता खत्या, मनहरण ने दोनों हाथ पकड़े और राजेश ने दोनों पैर। लता ने बचने के लिए तीनों का नाखूनों से नोंचा, जिससे DNA आ गया। मौत के बाद घर से नगदी बाँट ली, साड़ी-पायल मनहरण ने रख ली।

नगर निगम में पेवर ब्लॉक घोटाला फूटा : आयुक्त सुरुचि का चला हंटर

3 इंजीनियरों को नोटिस, 16.85 लाख रिकवरी, FIR नहीं तो घेराव!



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम की परियोजना शाखा में पेवर ब्लॉक के नाम पर हुए बड़े खेल का पदार्फाश हो गया है। आयुक्त सुरुचि सिंह ने प्रश्नचार्ज पर सीधा शिकंजा कस दिया है।

कलेक्टर के पत्र पर संयुक्त नाच में खुला भ्रष्टाचार
कलेक्टर दुर्गा के 3 सितंबर के पत्र के बाद PWD और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के एए की संयुक्त जांच में "बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार" पाया गया 129 कार्यों की 50 ट्रक कॉपियों की जांच में 8 उप-अभियंताओं पर 16,85,457 रुपये की रिकवरी तय हुई है। इस पर मुख्य अभियंता ने 3 बड़े अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस थमा दिया है जिनमें नितेश वेंश्राम - प्रभारी EE, वर्तमान में EE दुर्ग निगम और संजय अग्रवाल - पूर्व भिलाई, वर्तमान में EE जगदलपुर निगम का नाम है। तीनों से 3 दिन में जवाब मांगा गया है।

भाजपा का अल्टीमेटम - FIR करो नहीं तो निगम घेराव

अक्टूबर को भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने ज्ञापन सौंपकर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर FIR की मांग की। चेतावनी दी - 8 दिन में FIR नहीं हुई तो निगम मुख्यालय का घेराव होगा, जिम्मेदार प्रशासन होगा।

आयुक्त ने बनाई 3 सदस्यीय जांच समिति

ज्ञापन के बाद आयुक्त सुरुचि ने तत्काल प्रभाव से जांच समिति गठित कर दी है। जिसमें अध्यक्ष: अजीत कुमार तिग्गा, SEE, सदस्य: कुलदीप कुमार गुप्ता, EE और सचिव: संजय कुमार वर्मा, EE शामिल हैं। समिति को 4 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने का आदेश।

दो महीने में ही आयुक्त सुरुचि की आक्रामक कार्यशैली ने निगम में हड़कंप मचा दिया है। अब निगम 4 दिन बाद आने वाली रिपोर्ट पर टिकी है, जो तब करेगी किसी को कुर्सी जाएगी और किस पर FIR होगी।

समीक्षा 'मंदिर छत म कौवा बैटे' - अमित जोगी का सियासी ललकार गीत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गांधी जयंती पर रिलीज हुआ अमित जोगी का नया छत्तीसगढ़ी गीत 'मंदिर छत म कौवा बैटे' हिट सिर्फ एक गाना नहीं, एक सियासी मेटाफर है।
ट्रेलर से गाने तक : मूड का शिफ्ट
कल जब गीत का ट्रेलर आया, जिसमें अमित जोगी को का आवाज निकालते नजर आए, तो सोशल मीडिया पर अपडेटाशन और ट्रोलिंग ज्यादा थी। विपरीत कमेंट्स की बाढ़ भी। लेकिन आज पूरा गीत रिलीज होने के बाद नैरेटिव बदला है। लोग अब इसे प्रतिभा और हिम्मत के तौर पर देख रहे हैं।

गीत की बनावट : वोल
सबसे मजबूत पक्ष। 'हमर मंदिर, हमर देवता, हमर



माटी' से शुरू होकर 'मंदिर के छत म अड़ानी बैटे' तक आते-आते गीत सीधे कॉरपोरेट मनाने छत्तीसगढ़ी अस्थिरता

की बहस छेड़ देता है। कौवा - बाहरी ताकत, जो खुद को देवता से बड़ा समझ रही है, यह प्रतीक तीखा है।

संगीत :
Gaurav R Music की रिकॉर्डिंग में लोक-धुन और ललकार का मिश्रण है। आवाज में रियाज की कमी दिखती है, लेकिन कीए की आवाज वाला प्रयोग गाने को यादगार बना देता है।

संदेश :
'जागो रे बघुआ' - यह जोगी परिवार की पुरानी लाइन 'छत्तीसगढ़िया सबले बड़िया' का नया वर्जन है।

राजनीतिक अर्थ :
साफ है, निशाना बड़े उद्योगपति और कथित तौर पर उनके राजनीतिक संरक्षण पर है। गांधी जयंती पर रिलीज करना - सत्य और माटी के संघर्ष से जोड़ने

की कोशिश है।

जन-प्रतिक्रिया :
ट्रेलर पर जो पब्लिक नेगेटिविटी थी, वही पब्लिक अब कह रही है - अमित में मेट्रि होल्डर वाली बौद्धिकता और नेतृत्व क्षमता है। राय यह भी है कि उन्हें नकारात्मकता और तंत्र से निकलकर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास का सकारात्मक विजन गीत-संगीत के जरिए ही रखना चाहिए। आखिर वे प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी और डॉ. रेणु जोगी के पुत्र हैं, उनसे अपेक्षाएं स्वाभाविक हैं। एक नेता के तौर पर अमित जोगी का यह प्रयोग 100% सफल गायकी नहीं, लेकिन 100% सफल सियासी कम्युनिकेशन जरूर है। गाना वायरल है, चर्चा में है और छत्तीसगढ़ी जगत्-मोटा-पहचान की बहस को फिर से केंद्र में ले आया है।

भिलाई में जल प्रबंधन होगा हाईटेक : 80 किमी में ड्रोन उड़ेगा, बनेगा 'JAL-RAKSHA Digital Twin'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम अब जल प्रभाव से लेकर भूजल रिचार्ज तक हर समस्या का हल वैज्ञानिक तरीके से निकालेगा। शहर के लिए पहली बार एकीकृत स्मार्ट जल प्रबंधन योजना तैयार हो रही है। आयुक्त ने कहा - भिलाई के जल प्रबंधन की भविष्य की जरूरतों के हिसाब से मजबूत करना है। GIS, ड्रोन सर्वे और फील्ड डेटा से शहर का डिजिटल डेटाबेस बनेगा, जिससे समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाया जाएगा।

योजना के 6 मास्टर टूक
जलमयव की जियो-मैपिंग: जलमयव वाले इलाकों की जियो-टैमिंग होगी, नालों की रुकावट, क्षमता और अतिक्रमण का पता चलेगा।
भूजल रिचार्ज: रेन वाटर हार्बरिंग, रिचार्ज वेल और पिट की योजना।
पेयजल-सीवरेज सुरक्षा: GIS से लीकेज और क्रॉस-कनेक्शन वाले खतरनाक जोन पता चलेगा।



24 गोरेल की जांच: जल गुणवत्ता का वैज्ञानिक परीक्षण और संपूर्ण जाँचिम का आकलन।
350 किमी का सर्वे: 75-80 वर्ग किमी क्षेत्र में ड्रोन/वॉय सर्वे और 350 किमी सड़क-नाली कॉरिडोर की मैपिंग।

JAL-RAKSHA Digital Twin: पूरे शहर का डिजिटल ट्विन मॉडल बनेगा, जो भविष्य में जल संकट का पहले ही अलर्ट देगा।
बारिश में डूबने और गर्मी में सूखने वाले भिलाई के लिए यह मास्टर प्लान गैमचेंजर साबित होगा।

सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

आपके विश्वास और थार से

नई उड़ान...

हमारे साथ आप सभी को

YouTube

नई दृष्टिबिंदु News

6K+ SUBSCRIBERS

7M+ VIEWS

आपके विश्वास की ताकत

Instagram

naidishibindu

10K+ FOLLOWERS

CREDES+ VIDEOS

आपका साथ, हमारी पहचान

आपका ध्यान और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।
लोग हमारा कंटेंट देख रहे हैं, अब आपसे एक निवेदन है -

हमें देखो, सराहो और SUBSCRIBE / FOLLOW

आपका साथ हमारी ताकत और हमें देता है और बेहतर करने की ताकत!

नियोजक करें

छत्तीसगढ़ की आवाज

हमारा मकसद सिर्फ खबर नहीं, बदलाव लाना है।
जुड़े रहिए... नई दृष्टि बिंदु News के साथ

[illegible]

पदयात्रा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, विद्यार्थी और शहर के नागरिक शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायचमरा सांसद श्रीमती लक्ष्मी यादव, दिव्यांगजन विभाग एवं विकास विभाग के अध्यक्ष लोहेश कान्हाड़िया, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष सांसद श्रीवास्तव, रायचू मिलाह आयोग के अध्यक्ष डॉ. मन्ना साहू, केश शर्मा कल्याण पुरंद के अध्यक्ष गीरीशचंद्र श्रीवास्तव तथा विधाकर्मचारी मिश्रा एवं मोतीलाल साहू उपस्थित थे। समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्रीमती शहना गिराव, रायपुत्र कलेक्टर मीरा सिंह, नगर निगम आयुक्त संजिव मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष कुमार विश्वरंजन, संचालक गजेन्द्र सिंह ठाकुर, सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में वरिष्ठजन भी मौजूद थे।

संपादकीय

सुरक्षाबलों में असुरक्षा

साथी जवानों की हत्या से उठे सवाल

जम्मू-कश्मीर स्थित कटुआ में सेंट्रल इंडस्ट्रियल रिसर्चिटी फोर्स की इस्मटी पर तैनात एक हिंसक बन्धों द्वारा बार जवानों की हत्या करने की घटना ने सुरक्षा बलों के भीतर जिंदा खतरा की इरासनी तस्वीर उकेरी है। बताया जाता है कि सीआईएसफ के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस एंके-47 से गोलीबारी करके इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम दिया। बताते हैं कि इस बाइक में कार्यस्थल पर अपने छोटे बच्चे को लेकर आने से शुरू बंदस कालांतर हिंसक टकराव में बदल गयी। वित्त में भी मानसिक दबाव से गुजर रहे सुरक्षा बलों के जवानों के हिंसक प्रतिरोध के मामले सामने आए हैं। ये घटना बताती है कि सुरक्षा कर्मियों से जुड़ी समस्याओं को निपटारे के लिये जख्मतु सिस्टम बनाने की सख्त जरूरत है। निरसिंदह, यह घटना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में काम करने की स्थितियों पर भी प्रश्न उठाती है।

दरअसल, दूर-दराज के इलाकों में तैनात जवानों को लंबी और अनियमित ड्यूटी, परिवार से जुड़ी मुश्किलें तथा घर से लंबे समय तक दूर रहने जैसी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में किसी तनाव से गुजर रहे सुरक्षाकर्मी के व्यवहार व मानसिक स्थिति पर सेवेनशील ढंग से नजर रखने की जरूरत होती है। यह संकट इस्लामि भी बढ़ा है क्योंकि सुरक्षा कर्मियों का अनिवार्य रूप से हथियार खाना ड्यूटी का हिस्सा है। जिसके चलते मामूली विवाद के घातक रूप लेने की आशंका लगातार बनी रहती है।

इसका अभिप्राय यह कहानी नहीं है कि हर छोटा-मोटा विवाद हिंसक रूप में बदल ही सकता है। लेकिन ऐसे संकेतों पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत होती है ताकि किसी दुष्प्रवृत्त घटना को टाला जा सके। निरसिंदह, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में ऐसे दुष्प्रवृत्त हादसों को टालने हेतु, जवानों की शिकायतों के समाधान के लिये प्रभावी तंत्र और अस्पष्टता निगरानी की जरूरत है। वहीं इस्मटी और सुरक्षा बलों में हथियारों को लेकर सुरक्षा उपाय और आसानी से उपलब्ध मनोवैज्ञानिक मदद, बचाव की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

निरसिंदह, किसी भी सुरक्षाबल में जवानों का अनुशासित होना, अपरिवर्त्य शर्त है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से सेवेनशील क्षेत्रों में अपरिणत के लिये जवानों का हृदयम शस्त्रों से लैस होना भी लाजिमी है। ऐसे में निगरानी व किसी भी टकराव को टालने के लिये उपायों को लेकर गंभीर पहल होनी चाहिए। कुछ वर्ष पूर्व गुह संत्रालय की एक टास्क फोर्स ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में कुछ जवानों द्वारा अपने साथियों की हत्या करने के मुख्य कारणों की पहचान की थी। जिसमें उल्लेख किया गया है कि कठोर संस्था शर्तें, छुट्टी मिलने में देरी-विशेषकर परिवार में आपात स्थिति के समय, आलोचना, उत्पीड़न पर प्रतिक्रिया तथा साथियों के अनुचित व्यवहार के कारण हिंसक प्रतिक्रियाएं बढ़ी हैं।

कटुआ की घटना की जांच में भी यही पता लगाया जाना चाहिए कि क्या इस मामले में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया गया था। यह दुष्प्रवृत्त है कि कि देश के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले देश के एक प्रमुख सुरक्षा बल ने अपने चार जवानों की अमरम सौ दिया है। निरसिंदह, उनकी मौत के लिये जवाबदेही तन होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में किसी सशस्त्र बल के भीतर का मनमुटाव कभी इतने घातक परिणामों तक न पहुंच पाये। दरअसल, वक्त बदला है तो रोजगार के अवसर सिमटने के चलते युवा शिक्षा हासिल युवा इन सुरक्षा बलों में भर्ती हुए हैं। जिंदगी में चुनने सपने लिये जब ये इन सुरक्षा बलों में आते हैं तो कठोर अनुशासन व सख्त नियमों के साथ साम्य नहीं होता पाते।

वहीं सुरक्षा बलों का ढांचा पुराने ढर्रे पर चल रहा है, जो नई पीढ़ी की बदलाव की आकांक्षाओं के साथ तालमेल बैठाता नजर नहीं आता है। फलतः जवानों की अपने अधिकारियों से अनेक मुद्दों पर वैचारिक भिन्नता हो सकती है। निरसिंदह, कठोर अनुशासन सुरक्षा बलों की अपरिवर्त्य शर्त होती है, लेकिन आज की पीढ़ी में पुरानी पीढ़ी जैसा धैर्य और सहनशीलता नजर नहीं आती है। जो कालांतर बड़े अधिकारियों के सख्त अनुशासित व्यवहार में बाधक होता है। निरसिंदह, देश के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की स्वरूप की बदलते वक्त की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने की जरूरत है।

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

‘मोदी है तो मुमकिन है’ यह सिर्फ नारा नहीं है, भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 सालों के सातालक में इसे अर्जित किया है। चुनावों में इस भावना को ‘मोदी की मारटो’ कहा गया। यही विचार था जो मोदी को समर्थन और विचार से बढ़ा बना देता है। आज मोदी एक विचार बन चुके हैं। यह विचार है सबको साथ लेकर इस देश को विकसित भारत बनाना का सपना। इस मामले में ये सपनों के सौदामनी भी हैं। ‘अच्छे दिन आने वाले हैं’ से लेकर ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास’ तक यह सातत्य दिखाता है। यह बिल्कुल नई राजनीतिक संस्कृति है और उसका सतत विकास है।

सुशासन, विकास और संवाद है मंत्र

ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बजाते वरन् बदलाता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था। जो आकांक्षाओं से भरा-पूरा था। अवसाद की चादर को फेंक कर कुछ करना चाहता था। आगे बढ़ना चाहता था। मोदी ऐसे हैं जिन्होंने राजनीतिक तंत्र और नेताओं को इज्जत थोड़ी बढ़ाई ही है। इसके पूर्व का समय याद करें तो वह नीतिगत जड़ता का समय था, घोटालों की खबरें से हलाकाम देश भ्रष्टाचार के विरुद्ध सड़कों पर था। दिल्ली में एक नई बनी पार्टी (आप) सत्ता में चुकी थी। तभी मोदी उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे और लोगों ने उनमें राष्ट्रनयक की छवि देखी। उनका साधारण अतीत भरोसा दे रहा था कि उन्हें लोगों के दर्द पता हैं और ये संकटों के ठोस और वाजिब हल निकालेंगे। इस भरोसे ने तीन बार उन्हें केंद्र की सत्ता पर स्थिति बिठाया बल्कि तमाम राज्यों में भी भाजपा और राजग की सरकारें बनीं, जिन्हें डबल इंजन की सरकार कहकर संबोधित किया गया।

अतिआत्मविश्वास से बचने की जरूरत

गुजरात और दिल्ली के सत्ता साकेत में लगभग ढाई दशक पूरे कर चुके नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर इस समय विपक्ष और समाज के कुछ हिस्से हमलावर हैं। कुछ मुद्दे तो खुद उनकी

सरकार ने दिए तो कुछ विपक्ष प्रायोजित विवाद भी हैं। जिसमें पेपरलोक, एनटीए की नाकामी, इथेनॉल और वन अभूतपूर्व हैं। इसके भरोसे ही वह तीन बार केन्द्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी स्थान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पर नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा बना कि भाजपा के अश्वमेध के रथ को रोका जा सकता है।

सचवाई तो यह है कि मोदी और उनकी पार्टी के संगठन का मुकामाला करने की स्थिति में इस समय कोई दल वा राजनीतिक समूह नहीं है। भाजपा अब पुरानी

पार्टी नहीं रही। इस दौर में उनका जो भीगोलीक और सामाजिक विस्तार हुआ है, वन अभूतपूर्व हैं। इसके भरोसे ही वह तीन बार केन्द्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी स्थान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पर नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा बना कि भाजपा के अश्वमेध के रथ को रोका जा सकता है।

बंगाल की जीत ने दिया भरोसा

अलमत्त की सरकार के बाद भी केंद्र की

सरकार भरोसे से

भरी है। बड़े फैसले हो रहे हैं।

बंगाल के चुनावों की

असंभव सी दिख रही

जीत ने भाजपा के काइर ने

आत्मविश्वास भरा है। इस

समय में असम की जीत तो

संयुक्त है ही। अब पंजाब और

उत्तर प्रदेश के मैदान में डटी

भाजपा को यह साबित करना है

कि अभी वह चुकी और थकी

नहीं है। पंजाब में बहुत कमजोर

खिलाड़ी होकर भी वह मैदान को

जीतने के लिए जिस तरह उतरी है,

उसका यह भरोसाअकारण तो

बिल्कुल नहीं है। नई नवेली आम

आदमी पार्टी की सरकार वहां

(पंजाब में) दूसरे संघर्ष में बन

सकती है। दूसरे काहण नहीं

भाजपा भी ऐसे स्वप्न देखे।

वहीं उत्तर प्रदेश में तो उसके

पास योगी आदित्यनाथ जैसा

फायर ब्रांड लीडर है, जिसके

पास 10 सालों का सुनहरा

अतीत है। सरकार के नेता

पर कोई दाव नहीं है, गुंडों

पर लगाम है, सरपन्सा

एकोनमी है। यानी

उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ

बदल गया है।

सामाजिक समस्या पर संकट

किर क्या कारण हैं कि नरेंद्र मोदी को लेकर

तरह-तरह की बातें हो रही हैं। इस जातीय समूह उनपर हमलावर हैं। जबकि इन समूहों द्वारा उठाए जा रहे आरक्षण जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों की आम सहमति है। कॉलेज इस विषय को छू नहीं सकता। समीक्षा जैसे शब्द पर भी राजनीतिक दल कांप उठते हैं। इस विषय पर मोदी पिछाने पर हैं। हालांकि यह ज्यादातर जंग आनलाईन माध्यमों पर ही लड़ी जा रही है किंतु समाज में इसका जहर नहीं फेल रहा है, यह कहना मालत होगा। इस बीच यूजीसी गाइडलाइंस ने अलग कबाड़ा किया। इससे मोदी विरोधियों को आग उगलने का मौका मिला। यह तो भला हो सुप्रिम कोर्ट का कि उसने इन प्रवृत्तियों को रोककर सरकार को लाज बचा ली। सामाजिक समरसता के लिए यह सारे विवाद घातक हैं, किंतु राजनीति का लक्ष्य समाज अगर समाज को बाँटकर ही होता हो तो क्या किया जा सकता है ? उसके साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मदे प्रधान को लंबे समय तक झेलते रहना भी सरकार के विरुद्ध गया, अंततः प्रधान तितचट्टों की अनावश्यक सरती राजनीति के शिकार होकर विदा हो गए। इससे गुमनाम और अनाचारहीन नई नवेली छाकड़ों के ताना पार्टीह जनआश्रयक चर्चा में आ गई।

इस सबके बाद भी मोदी और भाजपा की शक्ति को कम अंकांग मालत होगा। योगी आदित्यनाथ, हमेंत विस्वामाच, शुभेंद्र अधिकारी, मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नाथव सिंह सैनी, मोहन मांडी, देवेन्द्र फड़नवीस, सम्राट चौधरी जैसी मुख्यमंत्रियों की टोली को कम आंकना नामसही होगी। नरेंद्र मोदी ने देश के हर क्षेत्र में सभी सामाजिक समूह के नेताओं की पूरी मलिका खड़ी कर दी है। भाजपा के इस सामाजिक विस्तार को समझे बिना आप मोदी की ताकत को नहीं भांप सकते। इसी तरह भाजपा का भीगोलीक विस्तार अप्रतिम है।

उत्तर प्रदेश में होगा देश का फैसला

भाजपामोदी समय में जन्म से लेकर कन्याकुमारी तक की लोकसभा सीटें जीत चुकी है। भुवनेश्वर से लेकर मुंबई तक भाजपा की तूती बोल रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों के भरसक प्रयासों के बाद भी मोदी देश की जनता की पहली पसंद बने हुए हैं। सरकार के विरुद्ध असंतोष के ये कैसे समाप्त करते हैं, इसकी पहली बड़ी परीक्षा उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में उठे हैं। वहां के परिणाम देश की राजनीति को प्रभावित करेंगे। कई विरोधकारी और ज्योतिष गुरु नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति भवन भेजने और किसी अन्य को प्रधानमंत्री बनाने में लगे हैं, किंतु ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा स्वयं को ज्यादा अश्वस्त पाती है। प्रधानमंत्री की सक्रियता और दिनचर्या को देखते हुए यह कहना कठिन है कि वे अभी आसानी से हथियार डाल देंगे। संगठन और सरकार पर उनकी पकड़ मजबूत है। आज तक विपक्षियों के द्वारा हुए व्यापक विरोध से ही वे शक्ति अर्जित करते रहे हैं। नए समय में हो रहा विरोध क्या उन्हें फिर से शक्तिमान बनाएगा, इसके लिए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणामों का इंतजार करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश का राजनीतिक संदेश देश की भावी दिशा तय करेगा, इसमें दो राय नहीं है।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

इस्टबिन में मिला एक फटा पन्ना, उसी ने दिखाई आत्मनिर्भरता की राह

एल.डी. मानिकपुरी, सहायक जनसमर्था अधिकारी, कोरिया

कभी-कभी जिंदगी बदलने के लिए बड़े अचानक दरवाजा नहीं देते, बल्कि एक छोटी-सी सुचना भी पूरे जीवन की दिशा बदल देती है। कभी कोई संकट, खेती-बाड़ी, किसी का हीसला बढ़ाने वाला वाक्य या फिर काजग का एक छोटा-सा टुकड़ा इसान के भीतर जिंदा सपनों को जगा देता है। कोरिया जिले के वैकुण्ठपुर विकासखंड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव के जीवन में भी बदलाव की शुरुआत किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि कार्यालय के इस्टबिन में पड़े एक फटे हुए पन्ने से हुई।

इस्टबिन में पड़े उस पन्ने पर लिखा था प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम दूसरों के लिए वह कागज का टुकड़ा था, लेकिन अजाने के लिए वह उनके भविष्य का दरवाजा बन गया। उन्होंने उस पन्ने की उठाया, पढ़ा, योजना को समझने की कोशिश की और भी हम तय कर लिया कि अब जिंदगी के अलग सीमों आम वाली नीकरी नहीं रहेगी। वे अपना काम शुरू करेंगी, आत्मनिर्भर बनेंगी और दूसरों के लिए भी रोजगार का अवसर तैयार करेंगी।

आज वही अंजना उरांव अपनी अंजना इंटरप्राइजेज प्रलाइनेश ईट निर्माण इकाई में संचालित कर रही हैं। लगभग 30 लाख रुपये के बैंक ऋण से शुरू हुआ उनका उद्यम अब तक करीब 20 लाख प्लास्टिक ईटों का उत्पादन कर चुका है। गांवों में मन रहे प्रधानमंत्री आवासों के लिए इन ईटों की आपूर्ति कर अंजना ने केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के लिए पक्के आशियानों में भी अपनी भूमिका निभा रही है।

चा हजाज सफेद के मानदेय से शुरू हुआ सफर - अंजना उरांव स्नातकोत्तर शिक्षित हैं। इसके बावजूद वे जनपद पंचायत खड्गवा में अवैकालिक दाली ऑपरेटर के रूप में महज बार हजार रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत थीं। परिवार, खेती-बाड़ी और बच्चों की जिम्मेदारियों के बीच सीमित आय में जीवन अग्रे बढ़ रहा था। ऐसे ही एक दिन कार्यालय के इस्टबिन में पड़े एक फटे को बाहर फेंकने गई तब उनकी नजर इस्टबिन में पड़े एक फटे हुए पन्ने पर पड़ी। उस पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी थी। अंजना ने अंजना और अंजना के बारे में जानकारी उठाते का निर्णय लिया। वहीं वह बाप था, जब एक सामान्य गृहस्थ महिला के भीतर छिपी उद्यमी बनने



की इच्छा ने आकार लेना शुरू किया। यह वह आसान नहीं है-कहा गया, लेकिन अंजना नहीं रुकी। योजना की जालकारी लेने के दौरान अंजना को प्रोत्साहन के साथ-साथ निराशा करने वाली बातें भी सुनने को मिलीं। किसी ने जिला उद्योग केंद्र जाने को सलाह दी तो किसी ने बैंक और सरकारी योजनाओं की प्रक्रिया को कठिन बताते हुए पीछे हटने को सलाह दी। परिवार और समाज की ओर से भी उन्हें कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ा। मायके से सुगराल दोनों ओर से यही सुनने को मिला वह लफ्फा मत पाते। लेकिन अंजना ने तय कर लिया था कि अगर रास्ता कठिन है, तो रास्ता छोड़ा नहीं जाएगा, बल्कि उसे पार किया जाएगा।

इसी दौरान मोवाबल और अखबार में महिला अधिकारी का एक कथन उनकी नजर से गुजर-झूमलिया कि किसी से कम नहीं है। वे अपने हीरोले से आगे बढ़ सकती हैं। ढ़ा यह बात अंजना के मन में घर कर गई। उन्होंने इसे केवल पढ़ा नहीं, बल्कि अपने जीवन में उतारने का फैसला किया।

प्लास्टिक ईट इन्फ्रास्ट्रक्चर आवाज उठाना उद्योग सृजन करने का विचार - जिला उद्योग केंद्र से जानकारी लेने के बाद अंजना ने पोर्टी-बकरा में संचालित प्रलाइनेश ईट निर्माण इकाई का अवलोकन किया। वहां उन्होंने देखा कि सीमित संसाधनों से भी उद्योग खड़ा किया जा सकता है और स्थानीय स्तर पर इसकी अच्छी मांग है। वस फिर क्या था। उन्होंने तय कर लिया कि वे प्लास्टिक ईट निर्माण इकाई स्थापित करेंगी। इसके बाद शुरू हुआ असली संघर्ष-दस्तावेज तैयार करना, विभागीय प्रक्रिया पूरी करना, बैंक के

चक्कर लगाना, ऋण के लिए प्रयास करना और बार-बार आने वाली अड़चनों का सामना करना। कई बार ऋण स्वीकृत नहीं हुआ। कई बार उम्मीद टूटी। लेकिन अंजना के इरादे नहीं टूटे। पति ने कहा-तुम आगे बढ़ो, मैं तुम्हारे साथ हूँ, इस पूरे संघर्ष में अंजना को सबसे बड़ा सहारा मिला उनके पति अतिल कुमार का। अतिल कुमार दसवीं तक पढ़े। उद्योग का कोई पूर्व अनुभव नहीं था। खेती और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने पत्नी के सपने को अपना सपना बना लिया। जब समाज और परिचितों की ओर से हतोत्साहित करने वाली बातें सामने आईं, तब पति ने अंजना का हौसला बढ़ाया। आधिकारिक वैक्यूंटरुप स्थित एचडीएससी बैंक से 30 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। कच्चेरा से मशीनें मांगई गई। शोध का निर्माण कराया गया। कोरवा से प्लास्टिक नया यन्त्रािय स्तर पर तैयार और सीमेंट की व्यवस्था की गई। धीरे-धीरे वह आया, जिसमें कभी एक फटे हुए कागज के टुकड़े ने जन्म दिया था, जमान पर आकार लेने लगा।

अप्रैल 2025 में लोकार्पण, अक्टूबर से शुरू हुआ उत्पादन - अंजना की प्लास्टिक ईट निर्माण इकाई का अप्रैल 2025 में लोकार्पण हुआ और अक्टूबर 2025 से उत्पादन प्रारंभ किया गया। इसके बाद उन्होंने पीछे हटकर नहीं देखा। लगातार मेहनत और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन बढ़ता गया। सब तक उनकी इकाई में लगभग 20 लाख ईटों का निर्माण हो चुका है। अंजना बताती हैं कि गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मन रहे आवासों के लिए उनको इकाई से बड़ी संख्या में ईटों की बिक्री हुई है। इससे उन्हें व्यवसाय

में आगे बढ़ने का अवसर मिला और साथ ही उन्हें इस बात की संतुष्टि भी है कि उनके द्वारा बनाई गई ईंटें किसी जरूरतमंद परिवार के पक्के घर की नींव का हिस्सा बन रही हैं।

प्रतिदिन 15 हजार ईटों की उत्पादन क्षमता, लाखों का कारोबार - ईंटों की बढ़ती मांग को देखते हुए अंजना ने ईट रखने के लिए बाड़ी संख्या में लकड़ी की ट्रांली (पीड़ा) भी खरीदी है। उनकी इकाई में प्रतिदिन करीब 15 हजार ईटों के उत्पादन की क्षमता है। उन्होंने बताया कि उत्पादन के दौरान प्रतिहा लगभग 6 से 7 लाख रुपये का कारोबार हुआ है। बारिश के कारण जुलाई माह से फिलहाल ईट निर्माण का काम बंद है। बारिश ने उत्पादन प्रभावित होने के साथ मजदूरों की उपलब्धता में भी परेशानी होती है। अंजना का कहना है कि मीसम अनुकूल होते ही वे पुनः पूरी गति से उत्पादन शुरू करेंगी। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि उद्योग के लिए लिया गया बैंक ऋण भी वे पूरी जिम्मेदारी से चुका रही हैं। अंजना बताती हैं कि वे हर माह करीब 60 हजार रुपये की बैंक किस्त नियमित रूप से जमा कर रही हैं और अब तक किसी तरह की चुक नहीं हुई है।

उद्योग के साथ खेती और परिवार की जिम्मेदारी भी - अंजना की सफलता केवल उद्योग तक सीमित नहीं है। संयुक्त परिवार, बच्चों की पढ़ाई, खेती और परिवार इन सभी जिम्मेदारियों को वे संतुलित ढंग से निभा रही हैं। इसके पास करीब बार एक डीएम है, जहां वे अपनी धान की खेती भी कर रही हैं। परिवार की जिम्मेदारियों के साथ उद्योग को सफलता आसान नहीं है, लेकिन अंजना इसे चुनौती नहीं बल्कि अपने जीवन का हिस्सा मानती हैं।

जिस समाज ने रोका, वही आज कर रहा है सम्मान - अंजना बताती हैं कि जब उन्होंने उद्योग शुरू करने का निर्णय लिया था, तब परिवार, समाज और गांव के कुछ लोगों ने उनका मजाक भी बनाया। महिला होने के कारण उन्हें कई तरह की बातें सुनी पड़ीं। कई लोगों ने उन्हें इस काम से पीछे हटने की सलाह दी। लेकिन आज परिस्थितियां बदल गई हैं, जो लोग कभी कहते थे कि वह काम उनके लिए मुश्किल है, वहीं लोग आज उनकी मेहनत और सफलता की सराहना करते हैं। अंजना भावुक होकर कहती हैं लोग जिस दिशा में हमारा सपना है, उसी दिशा में मुझे भी पढ़ना चाहें। इसलिए जिन से भी ज्ञान मिले, उसे अपनाया चाहिए। मेहनत, जुनून और लगन से कोई भी बाधा पार करी जा सकती है।



मेरे जैसी अन्य बेटियां भी अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं - अंजना का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब, ग्रामीण और आदिवासी समाज की बेटियां को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित जा रही हैं। उनका मानना है कि इन योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदल सकती हैं, बल्कि समाज और प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। वे जितने भी महिलाओं से आझान करती हैं कि वे केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी तक सीमित न रहें, बल्कि योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ें।

कलेक्टर श्रीमती रश्मिका यादव ने कहा-साधनों की कमी नहीं, होनाले की ज़रूरत - कलेक्टर श्रीमती रश्मिका यादव ने अंजना उरांव की सफलता को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि अंजना उरांव निश्चित ही उन महिलाओं के अभाव प्रेरणादायी हैं, जो साधनों और संसाधनों के अभाव का हवाला देकर आगे बढ़ने से रुक जाती हैं। सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ लेकर एक सफल उद्यमी बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही अंजना पर गर्व किया जाना चाहिए।

उत्तरदिन से शुरू हुई कानिनी, अब कई वर्षों की नींव बन रही - अंजना उरांव की कहानी केवल एक महिला के उद्यमी बनने की कहानी नहीं है। यह उस सोच की कहानी है, जो अवसर को

पहचानती है। यह उस साहस की कहानी है, जो विरोध के बावजूद आगे बढ़ता है। यह उस परिवार की कहानी है, जहां पति ने पत्नी के सपने को अपना सपना बनाया और वह चुनावी योजना की उस ताकत की कहानी है, जिसने एक सीमित आय वाले परिवार को अपना उद्यम खड़ा करती का अवसर दिया। सबसे खूबसूरत बात यह है कि जिस इस्टबिन से अंजना की अपने लिए अवसर मिली, उसी अवसर से आज वे दूसरे परिवारों के सपनों का घर बनाने में योगदान दे रही हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से शुरू हुआ यह सफर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। अंजना की बनाई ईंटें उन घरों की दीवारों में लग रही हैं, जहां किसी परिवार का वर्षों पुराना सपना पक्के घरह बन सका है। इसीलिए अंजना उरांव की संपर्क को सिर्फ सफलता की कहानी कहना शायद कम होगा। यह उस घटे हुए पन्ने की कहानी है, जिसने एक जिंदगी बदल दी। यह एक महिला के हीरोले की कहानी है, जिसने पूरे परिवार को दिशा बदल दी और यह उस विचारों की कहानी है कि अवसर छोटा हो सकता है, लेकिन हीरोला बड़ा हो तो मेजबान बड़ी बनाई जा सकती है।

इस्टबिन में पड़ा वह फटा पन्ना आज अंजना के सफर अभियान के उद्देश्य से, जनआदीनी, आत्मनिर्भरता और जनकल्याणकारी योजनाओं के सकारात्मक प्रभाव की जमीनी मिश्रित के रूप में अंजना उरांव की यह कहानी निश्चित ही अनेक महिलाओं को आगे बढ़ने का हौसला देती है।

प्रधान जिला व सत्र न्यायालय दुर्ग में न्यायश्रुति और ई-साक्ष्य पर विशेष प्रशिक्षण-सह-प्रस्तुतीकरण

नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ न्यायिक प्रक्रिया में डिजिटल तकनीक की भूमिका लगातार हो रही महत्वपूर्ण

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

आज के न्यायालय सिर्फ फाइलों और कागजों तक सीमित नहीं है। गवाही डिजिटल माध्यम से दर्ज हो सकती है, उपस्थिति ऑनलाइन सुनिश्चित हो सकती है और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य न्यायिक कार्योंवाही का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। इसी बदलती न्यायिक कार्यप्रणाली को समझने और उसे व्यवहार में प्रभावी ढंग से अपनाने की दिशा में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में आज 'न्यायश्रुति एवं ई-साक्ष्य' विषय पर विशेष प्रशिक्षण-सह-प्रस्तुतीकरण आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के, विनोद कुंजर के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें सम्मत न्यायाधीशगण में सहभागिता की।

Technology inf Courtroom: अब सिर्फ भाविय नहीं, वर्तमान है
नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के

साथ न्यायिक प्रक्रिया में डिजिटल तकनीक की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण हो रही है। इसी संदर्भ में कार्यक्रम में न्यायश्रुति एप्लिकेशन तथा ई-साक्ष्य के व्यावहारिक उपयोग पर विशेष कोरस रखा गया। प्रशांत पारागर, अरुण अरुण जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा दीपक कुमार कोशले, पंचम अरुण जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में सचिव कुमार महाविषा, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण का उद्देश्य केवल यह बताना नहीं था कि तकनीक क्या है, बल्कि यह समझाना था कि- इसे न्यायालयीन कार्यवाही में वास्तव में इस्तेमाल कैसे किया जाए ?

न्यायश्रुति: जक साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया डिजिटल होती है

प्रस्तुतीकरण में न्यायश्रुति एप्लिकेशन के माध्यम से साक्ष्य दर्ज करने तथा ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। विभिन्न प्रक्रियाओं की व्यावहारिक



उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिससे न्यायिक अधिकारियों को एप्लिकेशन की कार्यप्रणाली को अधिक सरल और प्रभावी ढंग से समझने में सहायता मिली। यानी बात सिर्फ एप्लिकेशन की नहीं थी - बात थी Courtroom Workflow IYU Technology के साथ जोड़ने की।

E-Sakshya: डिजिटल साक्ष्य आवा, अब

उसकी न्यायिक यात्रा भी समझना जरूरी

कार्यक्रम में ई-साक्ष्य के न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होने के बाद उसके न्यायिक कार्यवाही में उपयोग से संबंधित प्रक्रिया पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। डिजिटल साक्ष्य से जुड़े तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया, ताकि न्यायिक अधिकारी उसके उपयोग को प्रक्रिया को व्यावहारिक दृष्टिकोण से समझ सकें।

सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा-सवाल पूछे गए

प्रस्तुतीकरण को केवल one-way presentation नहीं रखा गया। न्यायिक अधिकारियों द्वारा विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रश्न पूछे गए। इन प्रश्नों पर विस्तार से जवाब करते हुए प्रस्तुति प्रक्रिया, संभावित व्यावहारिक परिस्थितियों और उनके समाधान से जुड़े पहलुओं को स्पष्ट किया गया। यही संवाद इस

प्रशिक्षण की विशेषता रहा - Technology को समझना और फिर उसे courtroom situations से जोड़कर देखना।

न्यायश्रुति और ई-साक्ष्य पर आयोजित यह विशेष प्रस्तुतीकरण न्यायिक प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक के प्रभावी समावेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। इसका व्यापक उद्देश्य स्पष्ट है - तकनीक तभी न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाती है, जब उसे सही प्रक्रिया, सही समझ और सही तरीके से न्यायिक कार्यवाही में अपनाया जाए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग द्वारा न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निरंतर क्षमता-विकास और तकनीक-सक्षम न्यायिक कार्यप्रणाली के लिए आयोजित किए जा रहे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम न्याय व्यवस्था को बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक सक्षम और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

खास खबर

छावनी पुलिस और सर्व समाज कल्याण समिति ने लावारिश शव किया अंतिम संस्कार

नई दृष्टिविंदु / मिर्जा



छावनी थाना क्षेत्र के कैप-1, खंडे होटल के पास 26 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। शव की पहचान नहीं हो सकी और न ही उसके परिवारों की जानकारी मिल गई। 129 सितंबर को छावनी थाना पुलिस ने सर्व समाज कल्याण समिति मिलाई से संपर्क कर शव के अंतिम संस्कार के लिए सहयोग मां। जानकारी मिलने के बाद समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में टीम ने पुलिस के सहयोग से पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की। छावनी पुलिस के प्रधान अधिकारी वरुण शर्मा और आरक्षक विकास सिंह की मौजूदगी में दुर्ग-राजपुर नाला स्थित कब्रिस्तान में लावारिश शव का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया। समिति ने इस कार्य में सहयोग के लिए छावनी थाना प्रभारी राम नारायण धुव और पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस और सामाजिक संस्था के इस सहयोग से अज्ञात शव का अंतिम संस्कार सम्मान के साथ किया गया।

एक लोटा जल या नारियल चढ़ाने से कोई पास नहीं होता : आचार्य युवराज पाण्डेय



बोरियारका की रामकथा में आचार्य ने अंधविश्वास और कर्महीनता पर साधा निशाना

दुर्ग। जिले के बोरियारका में आयोजित रामकथा के दौरान पंडित युवराज पाण्डेय ने धार्मिक आस्था के नाम पर प्रचलित अंधविश्वास और कर्म के बजाय केवल पूजा-पाठ से सफलता पाने की सोच पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि एक लोटा जल या नारियल चढ़ाने से कोई पास नहीं होता, यह धार्मिक है। सत्य को पहचानने और परखने की जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों का उदाहरण देते हुए कहा कि बिना पढ़ाई किए कोई परीक्षा पास नहीं कर सकता। यदि केवल पूजा-पाठ से सफलता मिलती तो जेलीसराइ में बड़ी संख्या में आईएसएस और आईएएस अधिकारी बन जाते।

पंडित पाण्डेय ने राजनीतिक क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि बिना तैयारी, बिना जनता के सुख-दुख में शामिल हुए और उनकी समस्याओं को समझते कोई व्यक्ति केवल काल्पनिक अनुष्ठान के चरुचाव नहीं जीत सकता। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ प्रभु को एक नारियल चढ़ा देने से चुनाव नहीं जीता जा सकता। उन्होंने दुर्गा माता की ज्योति जलाने की परंपरा का उदाहरण देते हुए कहा कि यह किसी को लाता है कि केवल ज्योत जलाने से सफलता सुनिश्चित हो जाएगी, तो यह सोच उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आस्था अपनी जगह है, लेकिन सफलता के लिए कर्म, मेहनत और प्रयास जरूरी हैं। पंडित युवराज पाण्डेय ने कर्महीन नर पावन नहीं काही का उल्लेख करते हुए कहा कि जो व्यक्ति कर्म नहीं करता, उसके हाथ में अंततः कुछ नहीं रहता और वह केवल दूसरों को अपन बहते हुए देखता रह जाता है। उन्होंने कहा कि कर्म ही व्यक्ति की पहचान है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्म करने का अधिकार है।

एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान स्वच्छताग्राही दीदियों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत दुर्ग को ग्राम पंचायत उमरपोटी में 1 अक्टूबर को एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर अभिजित सिंह के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामों में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छताग्राहियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्रकार ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ वृक्षारोपण से हुआ। विधायक चन्द्रकार, जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुवे सहित जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण कर पंचायत संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया।

इसके बाद सामूहिक श्रमदान के तहत गांव के तालाब, आंगनवाड़ी केंद्र, शाला परिसर सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों की सफाई-सफाई की गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता से



आयोजित श्रमदान ने स्वच्छता के प्रति सामुदायिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाले स्वच्छताग्राही स्व-सहायता समूहों एवं स्वच्छता दीदियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। अतिथियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वच्छता की शायद लेकर अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संकल्प भी लिया।



बीएसएनएल स्थापना दिवस समारोह का कर्मचारियों ने किया बहिष्कार तीसरे वृत्तनमान की मांग को लेकर संयुक्त मंच ने आंदोलन तेज करने का लिया निर्णय

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

तीसरे वृत्तनमान की मांग को लेकर बीएसएनएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के संयुक्त मंच ने आंदोलन को और अधिक खरक करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में 1 अक्टूबर को बीएसएनएल स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सरकारी समारोह का कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने बहिष्कार किया। पिछले 25 वर्षों से स्थापना दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लेकर सरकारी आयोजन को सफल बनाने वाले कर्मचारियों ने इस बार भोजनवाकाश के दौरान मुख्य द्वार पर एक होकर जोरदार नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बीएसएनएल एमटीडीसी युनिट के आर.एस. भट्ट ने कहा कि यह पहली बार है जब बीएसएनएल स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सरकारी कार्यक्रम का बहिष्कार किया गया है। उन्होंने दावा किया कि पूरे देश



में अधिकारियों ने भी सरकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार किया है। उन्होंने कहा कि तीसरे वृत्तनमान की मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन दोफर 3 बजे तक जोरदार तरीके से टूट सकता रहा। आंदोलन के अगले चरण में 14 अक्टूबर को बीएसएनएल के आधिकारिक

गुप्त छोड़ने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि पूरा विभाग मोबाइल एवं ऑनलाइन संचार व्यवस्था पर निर्भर हो गया है, ऐसे में यह कदम प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर सकता है। नवंबर माह में तालाबों की हड़ताल किए जाने की भी घोषणा की गई।

अधिकारी नेता विषयनाथ राव ने कहा कि वैक कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को पूरा कराने में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल के अधिकारी एवं कर्मचारी भी संयुक्त मंच के माध्यम से तीसरा वृत्तनमान हासिल करने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे। जिला सचिव डी.के. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सरकारी द्वारा चौथे वृत्तन आयाम का गठन किया जा चुका है और आयोग दिसंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंप देगा। उन्होंने कहा कि जनवरी से नया वृत्तनमान लागू होने की उम्मीद है। ऐसे में बीएसएनएल कर्मचारियों को अपनी मांगों को लेकर करो या मरो की नीति के तहत संघर्ष जारी रखना होगा।

प्रदर्शन में हेमराज खैरवार, राजेश गजनिष्य, आर.के. सिंह, विपिन भारती, संजु नायडू, संगीतो राव, अजय शर्मा, एस.एस. शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विरोध प्रदर्शन

मासूम बच्ची को न्याय और अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कांग्रेस ने उठाई थी आवाज

उतई आंदोलन मामले में राकेश ठाकुर सहित 9 कांग्रेस नेताओं को न्यायालय से मिली जमानत

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग-मिलाई-उतई

उतई थाना क्षेत्र में 5 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दुष्कर्म एवं हत्या के प्रयास की घटना तथा क्षेत्र में कथित रूप से संचालित अवैध शराब कारोबार के विरोध में कांग्रेस द्वारा किए गए आंदोलन के मामले में मुख्या को पुलिस ने दुर्ग न्यायालय में चालान पेश किया। मामले में जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर सहित 9 कांग्रेस नेताओं ने न्यायालय में उपस्थित होकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की। प्रकरण की सुनवाई न्यायाधीश ईशान व्यास की अदालत में हुई। कांग्रेस नेताओं की और से कांग्रेस विधि विभाग के अधिकांश प्रोफेसर प्रदीप, चतुर्नारायण साहू, सौरभ ताम्रकर, लेखक बंशो एवं जय उदरेश्वरी ने पेशी करते हुए सभी आरोपियों को नियमित जमानत दिए जाने का निवेदन किया। न्यायालय ने सभी 9 कांग्रेस नेताओं को जमानत का लाभ देते हुए रिहा कर दिए।

पूरी न्यायालयीन प्रक्रिया के दौरान दुर्ग न्यायालय परिसर में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने न्यायालय पहुंचकर

राकेश ठाकुर सहित सभी 9 नेताओं के प्रति एकजुटता व्यक्त की। न्यायाधीश द्वारा जमानत दिए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने न्यायालयीन प्रक्रिया पर विश्वास जताया। मामले अंतर्गत 2026 में उतई क्षेत्र में 5 वर्षीय बच्ची के साथ हुई दुष्कर्म एवं हत्या के प्रयास की संवेदनशील घटना के विरोध से जुड़ा है। घटना के बाद जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने निम्नी माता चौक, उतई में विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था तथा क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के आरोपों को लेकर प्रदर्शन सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई और गृह मंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन किया गया।

पुतला दहन के दौरान पुलिस द्वारा पुतला बुझाने एवं उसे कब्जे में लेने के प्रयास के बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच खड़े हुए। इसी दौरान आरक्षक गिरधर मंडावी का हाथ आग की चपेट में आने से झुलस गया था। घटना के बाद उतई थाना पुलिस ने प्रारंभ में अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। बाद में जांच के दौरान कांग्रेस के 9 नेताओं को इस प्रकरण में आरोपी बनाया गया और माई



2026 में उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुचलके पर रिहा किया गया था।

इस मामले में पुलिस ने जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर, उतई नगर अध्यक्ष प्रहलाद नाथ, नगर पंचायत उतई नेता प्रतिपक्ष हारिका साहू, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डिकेंद्र हिरवाणी, गुलशन शर्मा, जिला सचिव लीनन नाथ, मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंशो, सरपंचकाश कौशिक एवं दिवाकर गायकवाड़ को आरोपी बनाया है।

न्यायालय परिसर में पेशी के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस का आंदोलन किसी व्यक्तिगत या राजनीतिक स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि एक मासूम बच्ची के साथ हुई गंभीर घटना के विरोध और क्षेत्र की जनता की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था के खयाल को लेकर था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बच्ची को न्याय दिलाने तथा क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ लगातार आवाज उठाई थी। उनका आरोप है कि न्यायालय स्तर पर अवैध शराब कारोबार को लेकर नगरिकों की और कांग्रेस के झुलसने की घटना हुई, जिसका उन्हें खेद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने कानून को अपने हाथ में लेने का प्रयास नहीं किया और न्यायालय की प्रक्रिया का सम्मान करते हुए अपना पक्ष रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस

के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में कार्रवाई को लेकर कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रही है। उन्होंने प्रशासन से कानून के समक्ष समान व्यवहार की मांग की।

मूल घटना में न्यायालय का फैसला
राकेश ठाकुर ने कहा कि जिस हदविस्तार घटना के विरोध में कांग्रेस ने आंदोलन किया था, उस मूल आध्यात्मिक प्रकरण में न्यायालय द्वारा फैसला सुनाया जा चुका है। विशेष न्यायालय ने आरोपी धर्मेन्द्र नाथ, उतई जमानत को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उन्होंने कहा कि मासूम बच्ची के लिए न्याय की लड़ाई में न्यायालय द्वारा दोषीसिद्ध एवं आजीवन कारावास की सजा सुनाया जाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने घटना के समय भी बच्ची को अपने परिवार के साथ न्यायालय तथा न्यायालय की सुरक्षा के लिए प्रभाव को कानून-व्यवस्था की मांग की थी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि न्यायाधीश की प्रक्रिया का सम्मान करते हुए वे आगे भी इस प्रकरण में अपना कानूनी पक्ष मजबूती से रखते रहेंगे।



सलमान खान की 'मॉन्स्टर' में होगा जबरदस्त एक्शन, अरविंद स्वामी के साथ शूट होगा बड़ा ट्रेन सीक्वेंस

सलमान खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को बड़े पर्दे पर देखने का दुनिया भर में मौजूद फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी मच अपेक्षित फिल्मों में से एक है सुपरस्टार स्टार फिल्म 'मॉन्स्टर', जिसे श्री वेकेश शर्मा क्रिएशंस के बैनर तले बनाया जा रहा है, जबकि इसे जाने माने फिल्ममेकर वासुधा हिंडलकर डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म में सलमान खान के साथ नयनतारा स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। बता दें कि सलमान की इस हाई-बजट एक्शन ड्रामा में दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्ससाइटमेंट पैदा की है। फिल्म से जुड़े अपडेट्स का इंतजार कर रहे फैंस के लिए इससे जुड़े एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी है कि प्रोजेक्ट में खलनायक की भूमिका निभा रहे अरविंद स्वामी, हाल के समय में 10 दिन के बड़े शेड्यूल के लिए मुंबई में मौजूद हैं। मुंबई में शूट होने वाले फिल्म के सीन्स खास हाईलाइट होने वाले हैं, क्योंकि जानकारी के मुताबिक वे सलमान खान के साथ कुछ अहम हिस्से के साथ-साथ कुछ एक्शन सीन्स की भी शूटिंग कर रहे हैं। सूत्र ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि, 'मुंबई में अरविंद स्वामी ने अपनी 10 दिन के शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है, और टीम इन सीक्वेंस की कोरियोग्राफी और एजीव्युशन पर बहुत काम कर रही है। इन सीन्स को विजुअली दमदार बनाने के लिए कई तरह की खास तैयारी की जा रही है।'

सूत्र ने आगे कहा है कि, 'सलमान खान के साथ अरविंद स्वामी का तीन दिनों का शूट होने वाला है, जिसके बाद वे अपने सोलो सीन्स शूट करेंगे। फिल्म में सलमान और अरविंद एक दूसरे का पीछा किसी चूहे-बिल्ली की तरह करते नजर आने वाले हैं। वे फिलहाल एक बहुत बड़ा ट्रेन-बेस्ड एक्शन सीक्वेंस शूट कर रहे हैं, जिसे बड़े स्कैल पर आकार दिया जा रहा है। सलमान खान स्टार मॉन्स्टर में उनके किरदार को मेकअप लार्जर-दन-लाइफ थिएट्रिकल एक्सपेरियंस के रूप में पेश करने के लिए तैयार है। प्रोजेक्ट जिसे बड़ा एक्शन एंटरटेनर कहा जा रहा है, उसका यह मुंबई शेड्यूल बहुत ही जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें सलमान की मौजूदगी होने वाली है और वह फिल्म के लिए बड़े एक्शन सीन्स को शूट करने वाले हैं। सलमान के बारे में बात करते हुए सूत्र ने बताया, 'सलमान अपने कंटेन्ट को लेकर कॉन्फिडेंट होने के साथ ही सेट पर बहुत डेडिकेटेड हैं। फिल्म को मेकअप एक बुआघार एक्शनर बनाने में लगे हैं, और कोई कसर न छोड़ते हुए वे हर सीन पर उसी स्कैल को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं।'



परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर, 'रिपोर्टिंग लाइव' में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक : ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अविश्व रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदित्य दसूने जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अविश्व रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में बचाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में सीरी जॉब, खबरें और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है।

परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं। यह किरदार उनके लिए इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कहानी में रिपोर्टर सिर्फ खबर कवर करने वाली एक पत्रकार नहीं है, बल्कि वह लगातार एक ऐसे सिस्टम के खिलाफ आवाज बढ़ती है, जो अपने अपराधों को छिपाने के लिए किसी भी हद तक

जा सकता है। फिल्म की कहानी में आम लोगों को भी अहम जगह दी गई है। फिल्म का निर्देशन ध्रुव त्रिपाठी ने किया है और उन्होंने मिहिर जाधव के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है। ध्रुव ने फिल्म को लेकर कहा, 'मेरे लिए 'रिपोर्टिंग लाइव' की घोषणा बेहद खास है। मैं पिछले सात साल से इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ा हुआ हूँ। मिहिर जाधव के साथ कहानी लिखने से लेकर इसे स्क्रीन तक लाने तक का सफर मेरे लिए लंबा रहा है और अब फिल्म को दुनिया के सामने लाने का मौका भी खास अनुभव है।' ध्रुव ने कहा, 'मैं ऐसी थ्रिलर बनाया चाहता था, जो जमीन से जुड़ी और असली लगे, लेकिन कहानी के केंद्र में मौजूद आम लोगों की जिंदगी और उनकी परेशानियों को भी नजरअंदाज न करें। फिल्म की पूरी कास्ट और क्यू ने इस प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने में अपना अहम योगदान दिया है। अब मैं चाहता हूँ कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें और फिल्म से जुड़े। फिल्म की प्रोड्यूसर पार्थ किरण ठाकुर ने भी 'रिपोर्टिंग लाइव' को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म की कहानी और इसे बड़े स्तर पर पर्दे पर उतारने, दोनों में काफी कुछ दांव पर लगा हुआ था। टीम के पास शुरुआत से ही फिल्म को लेकर एक साफ विजन था और इसे इतने मजबूत कलाकारों के साथ पूरा होते देखना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। अलग-अलग पीढ़ियों के कलाकारों को एक साथ लाना फिल्म के सबसे खास पहलुओं में से एक है।'

'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का लुक आया सामने, इंटेन्स किरदार में नजर आए एक्टर

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लव एंड वॉर' से अभिनेता विक्की कौशल का फर्स्ट लुक सामने आया है, जिसमें उनका दमदार और इंटेंस अंदाज देखने को मिल रहा है। मेकअप ने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट लुक शेयर किया, जिसमें विक्की कौशल का लुक इंटेंस, रेट्रो और स्वेग से भरपूर नजर आ रहा है। पोस्टर में विक्की गहरी नजरों से कैमरे को देख रहे हैं। उनके माथे और गाल के पास

वोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। उनकी आंखें गुर्रसे और पूरी इंटेंसिटी के साथ सीधे कैमरे की तरफ देख रही हैं। पोस्टर के साथ लिखा गया, 'नज़र मिलेगी, लेकिन हटेंगी नहीं! संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 नवंबर 2027 को।' भिनेता विक्की कौशल के लुक को फैंस और इंडस्ट्री के साथी कलाकारों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।



चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं

मुंबई संदीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें 'चुंबक' का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक रोल में मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है। शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, 'मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टोरीयों टाइटिलर तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पॉवर्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स

होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निर्भाए गए टिक्कल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर कहा, 'यहां हमारे पास टिक्कल (हेली शाह) हैं, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अव्वल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैटकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें। संदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देखना वाकई काफी रिश्तेगिरी है। महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक रोल देने के साथ, चुंबक ने संदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली सीरीज से ही काफी रिश्तेगिरी लगा।



'ढिंढोरा 2' को बनाने में भुवन बाम ने की कड़ी मेहनत

कंटेन्ट क्रिएटर और एक्टर भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज 'ढिंढोरा' के दूसरे सीजन का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुई इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था। अब, 'ढिंढोरा 2' एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटवर्क पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने कहा कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई झुंझटें, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। आईएनएसएफ के साथ खास बातचीत में भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, 'सीरीज 'ढिंढोरा' मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है।'

भुवन ने कहा, 'ढिंढोरा 2' में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपमान भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने

की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे।' उन्होंने कहा, 'सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई झुंझटें लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हे सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके।' उन्होंने कहा, 'अब 'ढिंढोरा 2' जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मेच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि पुराने फैंस को इसमें वही अपमान मिलेगा, जिसके लिए वह इस सीरीज को पसंद करते आए हैं। साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी।' बीबीकेटी प्रोडक्शंस के फाउंडर और प्रोड्यूसर रोहित राज ने भी 'ढिंढोरा' के इस सफर को खास बताया। उन्होंने कहा, 'एक इंडिपेंडेंट यूट्यूब सीरीज से नेटवर्कवर्क तक पहुंचना काफी बड़ा सफर रहा है। दूसरे सीजन को बड़े लेवल पर बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन टीम ने यह भी ध्यान रखा कि पहले सीजन की वह मस्ती, पागलपन और पहचान कहीं खो न जाए।'



कुछ लोग आपके करियर को दिशा देते हैं, तो कुछ चुपचाप आपका दिल संभाल लेते हैं

द पैराडाइज के को-स्टार नानी के लिए राघव जुगलाल ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट बॉलीवुड दुनिया के सबसे प्यारे पत्रों में से एक है। मुंबई एक्टर राघव जुगलाल ने अपने द पैराडाइज के को-स्टार नानी के लिए एक बेहद दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म के हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस इमोशनल नोट ने दोनों एक्टरों के बीच स्क्रीन के बाहर की खास बॉन्डिंग की भी झलक दिखा दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस नोट में राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में से एक बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए एक 'सेफ जेन्स' बन गए। उन्होंने बताया कि नानी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी में किस तरह अहम भूमिका निभाई है।

राघव ने बताया कि जब भी करियर और जिंदगी को लेकर वह किसी उलझन में रहे, नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे। दोनों अक्सर घंटों सिनेमा, करियर, जिंदगी और काम से आगे की तमाम चीजों पर बातें

करते थे। राघव ने यह भी बताया कि नानी ने उन्हें अपने करियर से जुड़े फैसलों को बेहतर तरीके से समझाने और इंडस्ट्री में आगे बढ़ते हुए खुद को वैसा ही इंसान बनाए रखने में मदद की, जैसा वह रहना चाहते हैं।

अपने इस इमोशनल नोट में राघव ने लिखा, 'जिंदगी में कुछ ही ऐसे लोग होते हैं, जो बिना जाने ही आपके लिए आपकी सेंफ प्लेस बन जाते हैं। मेरे लिए नानी दादा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। मैंने कई बार कोशिश की है कि शब्दों में बता सकूँ कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं, लेकिन सच कहूँ तो मुझे अब भी लगता है कि शब्द कभी काफी नहीं होंगे। मैं आपसे सच में बहुत प्यार करता हूँ और आपको बहुत प्यार करता हूँ। सिर्फ एक एक्टर आपका आर्टिस्ट के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी। इस इंडस्ट्री में, जहां कई बार चीजें काफी अनिश्चित और शोर से भरी लगती हैं, ऐसे कई पल आए हैं जब मैं खुद को पूरी तरह खोया

हुआ महसूस करता था। और पता नहीं कैसे, जब भी मैं ऐसे किसी क्रॉसरोड पर खड़ा हुआ, आप हमेशा मेरे साथ रहे, नानी दादा। दादा, आपने मुझे बैटकर घंटों बात की है।

सिनेमा के बारे में, मेरे करियर के बारे में, जिंदगी के बारे में और कभी-कभी बिना किसी खास वजह के भी। आपने मेरी बातें सुनीं और मुझे समझा। आपने मुझे कभी इस बात के लिए छोट्टा महसूस नहीं कराया कि मैं कमजोर हूँ या इमोशनल हूँ। और हर बार आपसे बात करने के बाद मेरे दिल का बोझ थोड़ा हल्का जल्द महसूस हुआ। जिस तरह आपने हमेशा मेरे लिए जगह बनाई, मेरी बातें सुनीं और बस मेरे साथ रहे, उसके लिए शुक्रिया।

कुछ लोग आपको पढ़ावस देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो आपको महसूस कराते हैं कि आपको सच में समझा गया है और साथ ही आपको एक नया पर्सपेक्टिव भी देते हैं। नानी दादा, आपने मुझे दोनों चीजें दीं। आपने मुझे समझने में

मदद की कि मैं किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता हूँ, कौन से चॉइसेस लेना जरूरी हैं और उससे भी ज्यादा जरूरी, उन फैसलों के बीच मुझे किस तरह का इंसान बने रहना है।



अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर भगवान महावीर समता वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान

वरिष्ठ नागरिक खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम समारोह का किया आयोजन

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा भगवान महावीर समता वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिक खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 111 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों, पेशवरों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों का सम्मान किया गया। अतिथियों ने वरिष्ठ नागरिकों को शॉल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी कोमल सिंह राजपूत शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतीमा चंद्राकर ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकुमारी साहू, समाजसेवी एवं संरक्षक गौतम भारद्वाज, श्रीमती



रत्ना ओलवाल, गौतम कांकरिया एवं शत्रुघ्न सिंह राजपूत, उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती श्रीमती वैशाली मरडवार उपस्थित रहे। उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती

रामलला दर्शन योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र नागरिकों को प्रेरित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सुश्री अनुज्ञा मिश्रा ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं न्यायालयीन प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों के लिए खेल-कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता मंदवार्ड, ज्ञानीराम, जीआर साहू, श्रीमती शोभा एवं श्री शर्मा को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के समापन पर नरगुप्त भारत अभियान एवं वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल संबंधी संकल्प का वाचन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. उत्तम कोठारी, रामअवतार साहू, सहित समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी केन्द्र मोहारा में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन



सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत राजनांदगांव शहर के आंगनवाड़ी केन्द्र मोहारा में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोषण प्रदर्शनी, व्याज प्रदर्शनी, पोषण शाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। हितग्राहियों को पोषण स्वास्थ्य टीकाकरण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महतारी देवी योजना, प्रधानमंत्री मातृ दान योजना के हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर 4 गर्भवती महिलाओं की गोदमारी एवं 1 बच्चे का अन्नाग्नान किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मंजु सोनकर एवं श्रीमती सुधा मेहरोत्री, आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती ज्योति सोनकर एवं श्रीमती लक्ष्मी देवांगन, मितामिन श्रीमती गायत्री सोनकर एवं श्रीमती पार्वती साहू सहित माया यादव, अद्विती बंदरकर, सरोज प्रधान, ललिता प्रजापति एवं पोषण स्वास्थ्य में सहयोग के लिए अन्य महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में पोषण गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. पार्षद आलोक श्रुति, संकुल शिक्षक सुनील साहू, पर्यवेक्षक श्रीमती केकरा देवांगन, मीरा देवांगन सहित बार्ड की महिलाएं, समूह की महिलाएं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितामिन उपस्थित थे।

खास खबर

गौरव पथ रोड स्थित राजगामी संपदा की भूमि को कराया अतिक्रमणमुक्त



नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश राजगामी संपदा की भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान खसरा नंबर 211 एवं 218 की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटकर भूमि को सुस्थिति किया गया। प्राप्त शिकायत के अनुसार उक्त भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा घुमटियां स्थापित कर अतिक्रमण किया गया था।

अपर कलेक्टर सीएच मारकण्डेय के नेतृत्व में राज्य, राजगामी संपदा की टीम एवं नगर निगम की टीम द्वारा संयुक्त रूप से मीके पर कार्रवाई की गई। टीम ने मीके पर स्थापित घुमटियों को हटाय़ा तथा राजगामी संपदा की भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया। प्रशासन द्वारा शासकीय एवं राजगामी संपदा की भूमि पर किए जाने वाले अवैध अतिक्रमण को गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रशासन द्वारा सूचित किया गया है कि सार्वजनिक एवं शासकीय भूमि पर बिना अनुमति अतिक्रमण किए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संबंधित क्षेत्रों में निगरानी भी रखी जाएगी।

जिले में 15 अक्टूबर से शुरू होंगे रेत घाट अवैध रेत उत्खनन पर लगेगी रोक

राजनांदगांव। जिले में रेत की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से 15 अक्टूबर 2026 से रेत घाटों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही जिले में शुरू की गई चार नई रेत खदानों में वैधानिक रूप से रेत खनन की प्रक्रिया भी प्रारंभ होगी। रेत घाटों एवं नई खदानों के व्यवस्थित और वैधानिक संचालन से जिले में रेत की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता बढ़ेगी। इससे निम्न कार्यों के लिए रेत की आवश्यकता पूरी करने में सुविधा होगी तथा दूसरे हिलों से रेत मंगाने पर होने वाले अतिक्रमण परिवहन व्यय को कम करने में मदद मिलेगी।

स्थानीय स्तर पर रेत उपलब्ध होने से आम नागरिकों को उचित दर पर रेत मिलने की उम्मीद है। रेत घाटों के संचालन से अवैध रूप से रेत उत्खनन और परिवहन की गतिविधियों को भी प्रभावी रोक लगाने में सहायता मिलेगी। वैधानिक स्रोतों से रेत उपलब्ध होने के कारण नागरिकों को अवैध रूप से उत्खनन की गई रेत खरीदने की आवश्यकता कम होगी। इससे रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगेगा। प्रशासन द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर निगरानी बनाए रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रेत की स्थानीय उपलब्धता से जिले में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को भी सहायता मिलेगी और निर्माण लागत को नियंत्रित करने में सहायता मिलने से संभावना है।

पंडवानी के माध्यम से एचआईवी-एड्स से बचाव का दिया संदेश

कवर्धा। डेंटोसमिड आईसीडी केपेन 2026 के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिकोना, सोनपुरी राजी एवं नगर पंचायत पिपरिया के बड़े छाजार में एचआईवी-एड्स के प्रति जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पंथी भजन एवं पंडवानी गायिका श्रीमती प्रतीमा बारले ने अपनी लोककला एवं पंडवानी प्रस्तुति के माध्यम से आमजन को एचआईवी-एड्स के कारण, लक्षण, बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। लोककला के माध्यम से दी गई संरा एवं प्रभावी प्रस्तुति ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और एचआईवी-एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण संदेश आमजन तक पहुंचाया। कार्यक्रम के दौरान आईसीटीडी कार्सलर द्वारा भी लोगों को एचआईवी-एड्स के संक्रमण से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इस दौरान निरोध एवं जागरूकता संबंधी फायलेट का वितरण कर सुस्थिति व्यवहार अपनाने तथा एचआईवी-एड्स के प्रति फैली भ्रांतियों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

पंचायत चुनाव

जगव-बोटर जाबो कार्यक्रम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और संशोधन के लिए किया जा रहा जागरूक

त्रिस्तरीय पंचायत आम व उप निर्वाचन 2026 - फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने कार्यक्रम निर्धारित

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत आम व उप निर्वाचन 2026 के लिए फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्वाचक नामावली तैयार करने के कार्यक्रम अंतर्गत प्रथम चरण में सोमवार 5 अक्टूबर 2026 तक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति, प्रारंभिक प्रारूप निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु कर्मचारियों का चयन एवं नियुक्ति, निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व प्राधिकृत कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं भारत निर्वाचन आयोग की 1 अक्टूबर 2026 की स्थिति में तैयार विधानसभा की अवतन निर्वाचक नामावली जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त की जाएगी।

मंगलवार 6 अक्टूबर 2026 तक विधानसभा की निर्वाचक नामावली वाईवार पुथक कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उपलब्ध कराया



जगव-बोटर जाबो कार्यक्रम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और संशोधन के लिए किया जा रहा जागरूक

जाएगी। बुधवार 14 अक्टूबर 2026 तक चेकलिस्ट (पीडीएफ) की जांच की जाएगी व त्रुटि सुधार की जाएगी। शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 तक चेकलिस्ट संशोधन पश्चात प्रारूप निर्वाचक नामावली मुद्रण जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रदाय किया जाएगा। बुधवार 21 अक्टूबर 2026 तक जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा निर्वाचक नामावली का मुद्रण किया जाएगा एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराया जाएगा।

निर्वाचक नामावली तैयार करने के कार्यक्रम अंतर्गत द्वितीय चरण में निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन एवं दावा व आपत्तियों का प्रतिक्रिया प्रकाशन 2026 से प्राप्त की जाएगी। दावा व आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 अपराह्न 3 बजे तक है। दावा व आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तिथि मंगलवार 3 नवंबर 2026 तक है। प्रारूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि बुधवार 11 नवंबर 2026 तक है।

प्रारूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण करने की अंतिम तिथि शुक्रवार 13 नवंबर 2026 तक है। दावा व आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरुद्ध अपील आदेश पारित होने के 5 दिवस के भीत की जा सकती है। परिवर्धन, संशोधन, विलोपन के प्रकरणों की प्रतिलिपि सॉफ्टवेयर में 19 नवंबर 2026 तक की जाएगी। सोमवार 23 नवंबर 2026 तक चेकलिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच की जाएगी एवं पीडीएफ मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को सौंपा जाएगा। शुक्रवार 27 नवंबर 2026 तक अनुपूरक सूची का मुद्रण और अनुपूरक सूची का मूल सूची के साथ संलग्न की जाएगी। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन सोमवार 30 नवंबर 2026 को किया जाएगा।

मतदान केन्द्रवार मतदाता सूची तैयार करने अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र यादव ने त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026

अंतर्गत विकासखंडवार ग्राम पंचायतों के लिए मतदान केन्द्रवार मतदाता सूची तैयार करने के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की सहायता के लिए सहायक अधिकारी तथा अपीलीय अधिकारी की नियुक्ति की है। जारी आदेश अनुसार अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय को छुरिया एवं डोंगरगढ़ विकासखंड तथा अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा को राजनांदगांव एवं डोंगरगढ़ विकासखंड के लिए अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया गया है। राजनांदगांव, डोंगरगढ़, छुरिया एवं डोंगरगढ़ विकासखंड के संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राज्य से निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा संबंधित तहसीलवार को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्ति किया गया है। राजनांदगांव विकासखंड अंतर्गत नाबख तहसीलवार राजनांदगांव रामलखन चौधान, डोंगरगढ़ विकासखंड अंतर्गत नाबख तहसीलवार राजनांदगांव सत्यपाल सिंह यादव, छुरिया

सहयोग कर रही हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अभियान में सहभागी बनने की अपील की है।

सेवा संकल्प अभियान - स्वच्छता ही सेवा के तहत संत निरंकारी मंडल ने किया श्रमदान

त्रिवेणी परिसर एवं झूलेलाल घाट में जनप्रतिनिधियों और स्वच्छता अमल के साथ चलाया सफाई अभियान



नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

स्वच्छता ही सेवा के तहत स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत-विकसित भारत की थीम पर शहर में निरंतर स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान में सामाजिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में संत निरंकारी मंडल के सदस्यों ने नगर निगम के जनप्रतिनिधियों एवं स्वच्छता अमल के साथ त्रिवेणी परिसर तथा झूलेलाल घाट के आसपास श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। महापौर मधुसूदन यादव, निगम आयुक्त जीआर मरकम, निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पार्षद वरमा सहित महापौर परिवर्ध के सदस्यों, पार्षदों तथा संत निरंकारी मंडल के संयोजक रूपलाल राजगामी, सेवादात संचालक श्री बलीराम साहू सहित मंडल के सदस्यों ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। इस दौरान परिसर एवं घाट के आसपास से कचरा, झिल्ली-पन्नी तथा अन्य अपशिष्ट एकत्र किए गए। साथ ही कंट्रीली झाड़ियों की सफाई कर श्रमदान किया गया।

महापौर मधुसूदन यादव ने स्वच्छता ही सेवा में सहभागिता के लिए संत निरंकारी मंडल के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मंडल एक सेवावाची संस्था है, जो विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता से जोड़ना एवं स्वच्छता की दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है। जनजागरूकता से ही शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प प्रभावी रूप से पूरा किया जा सकता है।

निगम आयुक्त जीआर मरकम ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत 17 सितंबर से शहर में विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान में सामाजिक संस्थाओं, नागरिकों, विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता मिल रही है। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण सहित अन्य गतिविधियों भी आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर महापौर परिवर्ध के प्रभारी सदस्य सुनील साहू, राजेश जैन राण एवं डीलेक्स् साहू, वरिष्ठ पार्षद श्री शिव वरमा सहित पार्षदगण,

संत निरंकारी मंडल के सेवादात सदस्य, स्वच्छता दीर्घायन एवं नगर निगम का स्वास्थ्य अमला उपस्थित थे।

माय भारत युथ वालंटियर्स ने किया वृद्धजनों की सेवा

कवर्धा। सेवा पखवाड़ के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत, कवर्धा के युवक तथावतान में जिला युवा अधिकारी राज पटेल के मार्गदर्शन में माय भारत यूथ वालंटियर्स द्वारा वृद्धाश्रम, कवर्धा में सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। माय भारत यूथ वालंटियर्स ने वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्ध माता-पिता के साथ समय बिताया। इस दौरान युवाओं ने वृद्धजनों के साथ बातचीत एवं मनोरंजन किया तथा उनकी सेवा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। युवाओं ने वृद्धजनों के साथ आत्मीयता से समय बिताते हुए उनके अनुभवों को जाना और समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता का संदेश दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक रहित राजक, दीर्घा वंदरशी, सुनील चंद्रवशी, दीपक मरकम, अजय, सोनू साहू, सुशील, गगन एवं ओमप्रकाश सहित माय भारत यूथ वालंटियर्स उपस्थित रहे।

चिखली स्कूल में हुआ सेवा सेतु शिविर का आयोजन



शिविर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी, 5 अक्टूबर सोमवार को वाई नंबर 14 से 28 तक के लिए निगम परिसर में शिविर

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान -सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत नगर निगम क्षेत्र में वाईवार मेगा कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजनांदगांव के चिखली स्कूल में वाई क्रमांक 1 से 13 तक के नागरिकों के लिए पहला सेवा सेतु शिविर आयोजित हुआ। महापौर मधुसूदन यादव ने नागरिकों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

महापौर श्री यादव ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धजनों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि बड़े-बुजुर्ग परिवार को नींव शिविर आयोजित होगा।

होते हैं और उनका सम्मान हमारी जिम्मेदारी है। सेवा सेतु शिविर के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं को सुचारु संबंधित विभागों तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि उनका समयवद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। महापौर श्री यादव ने निगम आयुक्त जीआर मरकम तथा निगम प्राधिकारियों के साथ शिविर का निरीक्षण किया और नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 21 मांग एवं 12 शिकायत सहित कुल 33 आवेदन प्राप्त हुए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपस्थित वृद्धजनों एवं वाईवार्सियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। निगम आयुक्त जीआर मरकम ने बताया कि 1 से 14 अक्टूबर तक चार चरणों में आयोजित होने वाले इन शिविरों में नागरिकों से विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए जा रहे हैं। प्राप्त आवेदनों की विभागावार परीक्षा कर प्राथमिकता निर्धारित करते हुए निराकरण किया जाएगा। 5 अक्टूबर को निगम कार्यालय परिसर में वाई क्रमांक 14 से 28 तक के नागरिकों के लिए सेवा सेतु शिविर आयोजित होगा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने दिया स्वच्छता और स्वदेशी का संदेश

लाल बहादुर शास्त्री जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का किया आह्वान



नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री पं. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। उन्होंने दुर्ग के गांधी चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। वहीं डिपरपापरा में आयोजित कार्यक्रम में भारतरत्न पं. लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान और आदर्शों को स्मरण किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित

नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि महात्मा गांधी जी सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सादगी के अद्वितीय प्रतीक थे। उनके विचार आज भी समाज और देश को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। गांधी जी ने स्वावलंबन और स्वदेशी को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा था। आज स्थानीय उत्पादों, कारीगरों, उद्यमियों और स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास उसी विचार को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि वोल्कल फर लोवल की भावना गांधी जी के स्वदेशी विचारों का आधुनिक स्वरूप है। स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं और उत्पादों को अपनाने से हमारे कारीगरों, छोटे व्यापारियों और स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन

मिलता है तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को मजबूती मिलती है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री पं. लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका सादा जीवन, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और हड़ संकल्प आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। जय जवान, जय किसान का उनका अमर नाग देश की सुरक्षा और अन्नदत्ताओं के महत्व को रेखांकित करता है। शास्त्री जी का जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है।

झाड़ू थापकर दिया स्वच्छता का संदेश

गांधी जयंती के अवसर पर डिपरपापरा में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने महापौर श्रीमती अलका बाघमारा, सभापति श्याम शर्मा, पार्षदगण एवं कार्यकर्ताओं के साथ स्वयं झाड़ू थापकर



स्वच्छता अभियान में सहभागिता दिए। उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मंत्री श्री यादव ने कहा कि स्वच्छ शहर के निर्माण की जिम्मेदारी केवल नगर निगम या प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है। हम अपने घर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र को भी स्वच्छ रखें, कचरा इधर-उधर न फेंके और हमेशा इस्तेमाल का उपयोग करें। कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें। छोटी-छोटी सावधानियों और सामूहिक सहभागिता से हम अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी ने स्वच्छता को स्वस्थ और सशक्त समाज की आधारशिला माना था। गांधी जयंती पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

विधायक ने मरोदा में लगाए एक पेड़ माँ के नाम, साढ़े चार करोड़ का किया भूमिपूजन



नई दृष्टिविंदु / रिसाली-भिलाई

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर व रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने रिसाली निगम क्षेत्र के लिए स्वीकृत विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। शासन स्तर पर विभिन्न कार्यों के लिए कुल 4 करोड़ 44 लाख 12 हजार स्वीकृत किया है। भूमिपूजन कार्यक्रम के पहले विधायक मरोदा सेक्टर बंगाली दुर्गा मैदान मंच परिसर पहुंचे। वहां पर उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम लगाया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि विकास क्षेत्र का होता है। व्यक्तिगत नहीं। उन्होंने कहा कि रिसाली के आमजनों ने उन्हें विधानसभा सदस्य के रूप में चुना है। यही वजह है कि वो क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत हैं। परिणाम आपके

समक्ष हैं। उन्होंने आमजनों को संभावित करते हुए कहा कि निगम के संरूप 40 वाडों में विकास कार्य आरंभ हो चुका है। नगरपालिका चुनाव के पूर्व ही वे एक बार पुनः भूमिपूजन कार्यक्रम करेंगे। जिसमें छुट्टी हुए कार्य को गति दिया जाएगा। वहीं नगर पालिका निगम रिसाली की महापौर ने कहा कि रिसाली निगम का गठन के साथ में क्षेत्र में विकास कार्य कराया जा रहा है। यह अनवरत चलता रहेगा। उन्होंने भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने और विकास कार्य के लिए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष रमेश साहू, एआईटी सदस्य अनिल देसमुख, संजु नेताम, पार्षद धर्मेन्द्र भागत, शोला नाखड़े, विधानसभा सदस्य के रूप में चुना है। यही वजह है कि वो क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत हैं। परिणाम आपके

साहू उपस्थित थे।

जाने कहां कितना कार्य

वाड 31 शहद किरण देशमुख वाड में कुल 01 करोड़ 30 लाख 59 हजार की लागत से सीसी रोड, सामुदायिक भवन, गार्डन सौर्यीकरण, नाली निर्माण, सड़क चौड़ीकरण कार्य आदि किया जाएगा। वाड 26 अवपुरी में 02 करोड़ 10 लाख 24 हजार की लागत से जौवालय निर्माण, सीसी रोड, नाली निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, सौर्यीकरण, वाड 10 दहारा मैदान रिसाली सेक्टर में 44 लाख 80 हजार से पुलिया निर्माण, सीसी रोड, चौड़ीकरण, पार्थिव निर्माण और वाड 09 डीपीएस रिसाली सेक्टर में 51 लाख 49 हजार से नाली निर्माण, सौर्यीकरण, पार्थिव निर्माण का कार्य किया जाएगा।

महात्मा गांधी और शास्त्री जयंती पर सांसद बघेल ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में चलाया स्वच्छता अभियान



नई दृष्टिविंदु / भिलाई

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

सांसद बघेल ने अस्पताल परिसर में स्वयं साफ-सफाई की और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा को पानी से धोकर पुष्पमाला अर्पित की। उन्होंने भर्ती मरीजों से मुलाकात कर हालचाल जाना और

फल वितरित कर शौच स्वस्थ होने की कामना की।

इस अवसर पर सांसद बघेल ने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी जी ने स्वच्छता को जीवन का अहम हिस्सा माना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2 अक्टूबर को देश भर में स्वच्छता अभियान चल रहा है। स्वच्छता एक दिन का नहीं, हर नागरिक की रोज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्व. विधायक विचारारत भर्षीन के कार्यकाल में शास्त्री जी की प्रतिमा का अनावरण हुआ था, आज उनकी जयंती पर

प्रतिमा को सफाई कर श्रद्धासुमन अर्पित करना गौरव का बात है।

इस दौरान उन्होंने समाई कर्मचारियों को शाल-श्रीफल भेंडकर सम्मानित भी किया।

अभियान में भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष स्वीटी कौशिक, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, मंडल अध्यक्ष दीपक मोंडेकर, अस्पताल अधीक्षक नरेंद्र श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और अस्पताल स्टाफ डॉ. मंजु राठीर, सुशीला चौरसिया, रामेश्वरी चंद्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

गांधी के विचारों को जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि : रामचंद्र शर्मा

नव निर्माण संकल्प समिति ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया राष्ट्रपिता को नमन

नई दृष्टिविंदु / रायगढ़

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर नव निर्माण संकल्प समिति द्वारा एसपी कार्यालय के सामने स्थित गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा, सचिव दीपक मंडल, समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्य अनिल प्रधान, राकेश साहा, सुनील सहित अन्य साथी उपस्थित रहे। सभी ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सद्भाव और सेवा के विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी केवल भारत की स्वतंत्रता के हतनाकर नहीं, बल्कि मानवता की सत्य, अहिंसा और नैतिकता का मार्ग दिखाने वाले गुरुमुख थे। गांधीजी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता आंदोलन के समय थे। उन्होंने कहा कि गांधीजी की सच्ची श्रद्धांजलि केवल उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने से नहीं,



बल्कि उनके विचारों को अपने आचरण में उतारने से होगी। समाज में आपसी भाईचारा, स्वच्छता, गरीब और जरूरतमंदों की सेवा, गांवों का विकास तथा युवाओं में सकारात्मक सोच विकसित करना ही गांधीजी के सपनों के भारत की दिशा में सार्थक कदम हैं।

रामचंद्र शर्मा ने कहा कि नव निर्माण संकल्प समिति सशक्त गांवसमूह गांव की सोच के साथ शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण, खेल, महिला

रुआंबांधा बस्ती तालाब के पास गांजा बेचने घूम रहा आरोपी पकड़ाया, 1.26 किलो गांजा जब्त

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

दुर्ग पुलिस का नशे के खिलाफ अभियान जारी है। थाना भिलाई नगर और अउव की संयुक्त टीम ने रुआंबांधा बस्ती तालाब के पास दबिश देकर गांजा विक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी हरि देरिदेमुख (20 वर्ष), निवासी बजरंग नगर, कुंजरा बाग, गौरा चौक, थाना दुर्ग के कब्जे से 01 किलो 260 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1,20,00 रुपये है। साथ ही 20 (ख) डीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस आगे की कड़ियां खंगाल रही है।



आरोपी को पकड़ा। तलाशी में उसके पास रखी पुरानी बारी के अंदर प्लास्टिक में लिपटा गांजा मिला। आरोपी के खिलाफ थाना भिलाई नगर में धारा 20 (ख) NDPS एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस आगे की कड़ियां खंगाल रही है।

राष्ट्रपिता गांधी का सत्य-अहिंसा और शास्त्री जी का सादगीपूर्ण जीवन, देश के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे वोरा



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बरिह कोसे नगर एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने उनकी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं नमन किया महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के माध्यम से देश को स्वतंत्रता के सपने में एकजुट करने का कार्य किया। उनका जीवन हमें अत्याच के विरुद्ध अहिंसक संघर्ष, सत्य के प्रति दृढ़ता और समाज में भावों के का संदेश देता है। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री जी ने अपने सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण से सार्वजनिक जीवन की एक आदर्श मिसाल कायम की। देश के कठिन दौर में उनके द्वारा दिया गया 'जय जवान, जय किसान' का संदेश सैनिकों और किसानों के महत्व को रेखांकित करता है। अरुण वोरा ने कहा कि गांधी के सत्य और अहिंसा तथा शास्त्री के त्याग, सादगी और राष्ट्रसेवा के आदर्श आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इन महान विभूतियों के विचारों को अपने जीवन में अपनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। इस दौरान पूर्व महापौर अरुण, एम. व्हा. राजेंद्र साहू, पूर्व महापौर धीरज कालीवाल, संपीत वोरा, राजकुमार पाली, राहुल अग्रवाल, अश्वी खान, सौरभ ताम्रकर, मनोष बघेल, देव सिन्हा, नागरवी, शशी खान, अरकात अहमद, बंटी नरंग, मकईर, बृजलाल तिवारी, जगनाथ तिवारी, अजय मिश्रा, शिवाकांत तिवारी, सबा सबाबाहर, नरेंद्र सोमकर, नरेश सोनी, अनीश राय, फिरोज खान, अमर प्रकाश जोशी, कैदी देवानंन सुरेश भैसा, कावक, सुधीर बंदेल एवं इंद्रपाल भाटिया सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

ड्राई-डे पर पुलिस का छापा, 302 पीवा के साथ 12 तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग। गांधी जयंती के ड्राई-डे पर अवैध शराब बेचने वालों पर दुर्ग पुलिस ने हट्टर चलाया। ऑपरेशन विश्वास के तहत 10 अवैध-अलग ठिकानों पर दबिश देकर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 302 पीवा शराब (कीमत 34 हजार) और विक्री में इस्तेमाल 3 बाइक, 1 स्कूटी और 1 ई-रिक्शा (कीमत 2.15 लाख) सहित कुल 2.49 लाख की सामग्री जप्त की। थाना दुर्ग, मोहन नगर, पचनाभपुर, उदई और चौकी अंजोरी क्षेत्र में 1 और 2 अक्टूबर को मुखबिर सूचना पर यह कार्रवाई हुई। आरोपी चोरी-छिपे ग्राहकों को शराब बेच रहे थे। सर्वजनिक जगह पर पीने वालों पर भी आबकारी एक्ट 36 (च) के तहत कार्रवाई की गई।

GOSWWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

- Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
- One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना पलाई ऐश त्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

birthday Cakes

Anniversary Cakes

Custom Theme Cakes

Serving Bhilai & Durg

DM for Order

Followed by_s_andeep

Follow Message

Order Now:

@baked.bysuhani

MO.6263734520